साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 9, अंक- 43 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 29 नवंबर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

आज का सुविचार

जीवन में कभी भी अपने आप को किसी से हीन या श्रेष्ठ भी न समझें, क्योंकि श्रेष्ठता अहंकार पैदा करती है और हीनता आत्मविश्वास को कम कर देती है।

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।

संपर्क करे -9425156055

BNSS- 48 (2) , पुलिस अधिकारी कब गिरफ्तार व्यक्ति को उसके अधिकारों की जानकारी देने के लिए बाध्य है जानिए

जब किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है तब पुलिस अधिकारी का कर्तव्य है कि वह आरोपी व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी का कारण की जानकारी दे एवं उसको क्या क्या अधिकार प्राप्त है ये जानकारी भी दे जानिए -

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 48 की उपधारा 02 की परिभाषा ??

पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को, जैसे ही वह पुलिस थाने में लाया जाता है उसके अधिकारों के बारे में सूचित करेगा एवं उसके क्या क्या अधिकार यह भी जानकारी देगा।

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

उदाहरण के लिए -

पुलिस अधिकारी एक व्यक्ति को गिरफ्तार करता है और थाने में लाता है।।पुलिस अधिकारी उस व्यक्ति को उसके अधिकारों के बारे में बताता है,पुलिस अधिकारी बताता है कि वह जमानत का अधिकार रखता है , पुलिस अधिकारी बताता है कि वह वकील की मदद भी ले सकता है।

गिरफ्तार व्यक्ति के महत्वपूर्ण अधिकार जानिए कौन कौन से है जानिए -

गिरफ्तार व्यक्ति के कुछ महत्वपूर्ण अधिकार हैं -

1. गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार
2. जमानत का अधिकार
3. वकील की मदद लेने का अधिकार
5 4. परिवार और मित्रों को जानकारी देने का अधिकार
5. चिकित्सा सुविधा का अधिकार
6. न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने का अधिकार
7. अदालत में सुनवाई का अधिकार
8. अपने खिलाफ आरोपों का जवाब देने का अधिकार
9. अपने बचाव के लिए सबूत प्रस्तुत करने का अधिकार
10. अपील करने का अधिकार आदि।

SC-ST के सदस्य को सार्वजनिक स्थान पर अपमानित करना कितना गंभीर अपराध है, जानिए- SC-ST ACT

भारतीय न्याय संहिता की धारा-33 कहती है कि छोटी-मोटी क्षति या गाली गलौज अपराध नहीं होती है एवं धारा-503 आपराधिक अभित्रस अर्थात किसी भी प्रकार की उपहति की धमकी देना, अपमानित करना आदि कम गंभीर अपराध होता हैं एवं जमानतीय होता। लेकिन कोई व्यक्ति यही अपराध किसी सार्वजनिक स्थान पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य के साथ करते हैं तो यह बहुत गम्भीर अपराध होगा जानिए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 (1) द एवं ध की परिभाषा- वह व्यक्ति जो अनुसूचित जाति एवं जनजाति का सदस्य नहीं है और वह व्यक्ति अनुसूचित जाति या जनजाति के सदस्यों को सार्वजनिक या लोक स्थान पर किसी भी प्रकार की चोट करने की धमकी देगा, किसी भी प्रकार से अपमानित करेगा, जाति सूचक शब्दों से या किसी भी प्रकार से गाली गलौज करेगा तब ऐसा करने वाला व्यक्ति अधिनियम की धारा 3 (1) द एवं ध के अंतर्गत दंडनीय होगा।

नोट- अधिनियम की धारा 3(2) (1 क) के अंतर्गत यह अपराध विशेष विधि के साथ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 506 के अंतर्गत आपराधिक अभित्रास से भी दण्डित होगा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम,1989 की धारा 3(1) द एवं ध के अंतर्गत दण्ड़ का प्रावधान -

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं अजमानतीय होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार क्षेत्र जिला विशेष न्यायालय करता है। सजा- इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम पाँच वर्ष की सजा एवं जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

पीड़ित व्यक्ति को शासन द्वारा राहत सहायता राशि: अनुसूचित जाति और जनजाति(अत्याचार निवारण) नियम,1995 नियम 12(4) के अनुसार इस अपराध के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति को राज्य शासन द्वारा एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता(संदाय) दी जाती है। यह राशि जिला कलेक्टर या स्थरूया जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय द्वारा स्वीकृत होती है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार
(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से चर्चा के तुरंत बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटन पत्र जारी किया

मध्यप्रदेश में जर्मन निवेश का नया अध्याय प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने म्यूनिख में भारतवंशियों से संवाद कार्यक्रम में संबोधित किया।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जर्मनी यात्रा ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। गुरूवार को डॉ. यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। यह निर्णय मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसीईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (6.72 एकड़) जमीन आवंटित की गई है। इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रूपये से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स-रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस यात्रा ने प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए अब ऐसा माहौल तैयार हो चुका है, जहां व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। उनकी दूरदर्शी सोच और निवेशकों के प्रति सकारात्मक रवैया ने ही जर्मन कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार की प्रेरणा दी है। भोपाल में जर्मन कंपनी एसीईडीएस को भूमि आवंटन मात्र एक शुरुआत है। यह साझेदारी न केवल औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाएगी, बल्कि इसे प्रदेश के समग्र विकास के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस ऐतिहासिक यात्रा ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश न केवल भारत बल्कि वैश्विक निवेश का अगला प्रमुख केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है।

टीबी होने की संभावनाओं को जांचने के लिए सी.वाय - टीबी टेस्ट भोपाल में मुफ्त उपलब्ध

भोपाल। टीबी होने की संभावनाओं की जांच के लिए सी-वाय टीबी स्किन टेस्ट की शुरुआत भोपाल में हो गई है। इस जांच से टीबी के इंफेक्शन की पड़ताल प्रामाणिक रूप से की जा सकती है। यह टेस्ट इस बात की पुष्टि करता है कि शरीर में टीबी का बैक्टीरिया मौजूद है। हालांकि इस टेस्ट में पॉजिटिव आए लोग दूसरों को टीबी नहीं फैलाते हैं। लेकिन भविष्य में इन लोगों में टीबी होने की संभावना अधिक होती है। भारत सरकार द्वारा 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीज के साथ रह रहे परिजनों और अन्य हाईरिस्क ग्रुप के लिए ट्यूबरक्लोसिस प्रीवेंटिव ट्रीटमेंट के अनुशंसा की गई थी। इसके लिए सी-वाय टीबी स्किन टेस्ट की शुरुआत की गई है। इस टेस्ट से टीबी इन्फेक्शन की सटीक जानकारी मिलती है। यह टेस्ट टीबी बैक्टीरिया को टारगेट कर परिणाम देता है। इस टेस्ट के परिणाम के लिए व्यक्ति को 48 से 72 घंटे के बीच पुनः स्वास्थ्य संस्था में आना होता है। यहां पर चिकित्सक अथवा स्वास्थ्य कर्मी द्वारा त्वचा के उसे हिस्से का परीक्षण किया जाता है जहां पर जांच के सॉल्यूशन लगाया गया था। टेस्ट रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर ट्यूबरक्लोसिस प्रीवेंटिव ट्रीटमेंट (TPT)दिया जाता है।

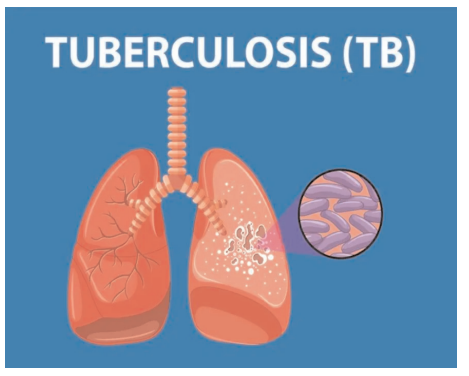

हम होंगे कामयाब अभियान के अंतर्गत बाल विवाह निषेध जागरूकता पर हुए कार्यक्रम

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ श्री अखिलेश ने आंगनवाड़ी केंद्र बाणगंगा परियोजना के सहयोग एवं मुस्कान संस्था द्वारा कार्यक्रम हम होंगे कामयाब अभियान के अंतर्गत बाल विवाह निषेध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधानों, इसके दुष्प्रभावों और इसे रोकने के उपायों के प्रति समुदाय को जागरूक करना था। साथ ही किशोरियों और महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत सीडीपीओ के मार्गदर्शन में हुई। मुस्कान संस्था की टीम ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं बाल विवाह के मुद्दे पर चर्चा की। बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006) की मुख्य धाराओं के बारे में बताया गया। बाल विवाह के दुष्प्रभावों, स्वास्थ्य, शिक्षा, और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की गई। बाल विवाह रोकने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से समझाया गया। उन्होंने बताया कि कैसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समुदाय में जागरूकता फैलाने, बाल विवाह की सूचना देने और परिवारों को परामर्श देने में सहयोग कर सकती हैं।

सभी विभाग अपने लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करें : संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्त ने वी.सी. के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कहा है कि भोपाल संभाग के सभी जिलों में सभी विभाग उन्हें विभिन्न योजनाओं/कार्यों के अंतर्गत दिए गए लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करें। यदि योजनाओं/कार्यों में अतिरिक्त लक्ष्य की आवश्यकता हो तो एक सप्ताह के अंतर्गत प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। वित्त वर्ष के शेष दिनों की कार्य योजना बनाकर लक्ष्यों की पूर्णता की ओर बढ़े। संभागायुक्त श्री सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कार्यों की मासिक समीक्षा की। वी.सी. में सभी जिलों के कलेक्टर्स, सीईओ जिला पंचायत एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर कार्यालय के वी.सी.कक्ष में संयुक्त आयुक्त विकास डॉ. विनोद यादव तथा

सभी विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने अनुसूचित जाति/ जनजाति कल्याण विभाग की पी.एम.जन-मन योजना एवं धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान को गति देने के निर्देश दिए।

आयुष्मान योजना के क्रियान्वयन में भोपाल संभाग की अच्छी प्रगति है। भोपाल जिले में 96त्न, सीहोर में 93त्न, रायसेन में 87त्न, विदिशा में 86त्न तथा राजगढ़ में 82त्न कार्ड वितरित हो चुके हैं। संभागायुक्त ने शेष कार्य भी अभियान चलाकर पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। विभिन्न विभागों में छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा के दौरान प्रोफाइल अपडेशन का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता तथा सोयाबीन उपार्जन के अंतर्गत किसानों को त्वरित भुगतान एवं उपार्जित फसल का शीघ्र परिवहन किए जाने के निर्देश दिए गए।

किसानों द्वारा पराली जलाने को सख्ती से रोका जाए तथा पराली जलाने पर वैधानिक कार्यवाही भी की जाए। किसानों को हेप्पी सीडर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए। क्रेडिट कार्ड वितरण की समीक्षा में पाया गया कि पशुपालन विभाग द्वारा केसीसी वितरण में अच्छा कार्य किया गया है। विभाग द्वारा इस वर्ष 9 हजार 450 के लक्ष्य के विरूद्ध 6 हजार 962 केसीसी वितरित किए जा चुके हैं। मत्स्य पालन विभाग की गति धीमी होने से, गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

साइबर अपराध का नया तरीका, कहीं आप भी तो इनके निशाने पर नहीं? जानिए कैसे रहें इनसे सुरक्षित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

साइबर ठग लोगों को शिकार बनाने के लिए नये नये तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनसे बचने के लिए लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अब आपका व्हाट्सप् भी हैकर से सुरक्षित नहीं है। शादी सीज़न के चलते शादियों में निमंत्रण देने के लिए पारंपरिक इनविटेशन कार्ड के साथ साथ आजकल डिजिटल इनविटेशन कार्ड पीडीएफ का भी चलन शुरू हो गया है जो सोशल मीडिया मैसेजिंग एप व्हाट्सप् के जरिये भेजा जाता है। लेकिन क्या आपको पता है ये कितना असुरक्षित हैं? इसका फ़ायदा अब सायबर ठग भी उठाने लगे हैं। यदि आपके पास भी किसी अनजान व्यक्ति के व्हाट्सप् नम्बर द्वारा शादी के कार्ड कोई लिंक या पीडीएफ आता है तो आप तुरंत इसे ओपन या डाउनलोड न करें क्योंकि ये हैकर द्वारा भेजी गई क्या फ़ाइल हो सकती है। जैसे ही आप इसे डाउनलोड करेंगे आपके मोबाइल फोन का पूरा डाटा हैक हो जायेगा और फोन में मौजूद आपकी डिटेल हैकर के पास पहुँच जायेगी। उसके बाद ये साइबर ठग आपके मोबाइल से चुराए डाटा का दुरूपयोग करते हैं तथा गंभीर अपराध को अंजाम दे सकते हैं। जिससे आपको बड़े नुकसान और समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी फ़ाइल या लिंक को डाउनलोड या ओपन करने की कोशिश न करें जो शादी के कार्ड के रूप में किसी अनजान नम्बर से भेजी गई है जो आपके मोबाइल के कांटेक्ट लिस्ट में नहीं है। और आप उस व्यक्ति को नहीं जानते हैं । आप ऐसे धोखाधड़ी से बचके रहें।

क्राइम ब्रांच ने की नशा सौदागरो पर कार्यवाही तस्करी में शामिल दो आरोपियो से 19.7 ग्राम एमडी पाउडर जप्त

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

क्राइम ब्रांच भोपाल-को सूचना मिली की एम पी नगर भोपाल मे एक की हुलिये के दो युवक जिनकी उम्र लगभग 20-25 साल है दोनों अपने पास एमडी पाउडर लेकर खड़े हैं तथा एमडी पाउडर देने के लिये ग्राहक का इंतजार कर रहे है । यदि उन्हे जल्दी नही पकडा गया तो वह एमडी पाउडर किसी को बेच कर ठिकाने लगा देगें या इधर उधर कर देंगे यदि समय रहते पकड़ लिया गया तो उनके पास से बडी मात्रा मे एमडी पाउडर मिल सकता है । उक्त सूचना से वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराकर स्टाफ के साथ बताये स्थान व हुलिये के दो लडके यश बैंक के सामने ग्राउण्ड मे खडे दिखे जिसे स्टाफ की सहायता से घेराबंदी कर पकडा दोनो का नाम पता पूछा तो अपना नाम तथा रहने का स्थान अलग अलग रतलाम तथा भोपाल का होना बताया दोनो कि तलाशी लिये जाने पर जेब में पारदर्शी सफेद एयर टाईट पॉलीथीन थैली मिली जिसमें मटमैला बारीक दानेदार पदार्थ मिला। दोनों आरोपियों से मिले मटमैले रंग के दानेदार पदार्थ की पहचान की गई तो मादक पदार्थ एमडी पाउडर होना पाया गया तथा आरोपियों ने भी स्वीकार किया मादक पदार्थ एमडी ही है । दोनो आरोपियो के कब्जे से कुल एमडी पाउडर 19.7 ग्राम पाया गया ।

आरोपियो का कृत्य धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय होने से थाना क्राइम ब्रांच में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी एमडी कहाँ से लाते है इस संबंध में पूछताछ जारी है ।एमडी के तस्करो से और भी बड़ा खुलासा हो सकता है।

विवाह के अवसर पर नई पहल रक्तदान जीवनदानका संदेश, रक्तदान पर तुलसी के पौधे दिए जायेंगे उपहार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

विवाह के अवसर पर भोपाल के एक परिवार ने लोककल्याण का ऐसा संदेश दिया है जिसे देखकर सभी को इससे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। स्वयं रक्तदान करके लोगों को सदैव प्रेरित करने वाले समाजसेवा से जुड़े लक्की नेगी ने बताया की भोपाल के एक परिवार में पुत्री के विवाह के अवसर पर विवाह के निमंत्रण पत्र पर÷रक्तदान

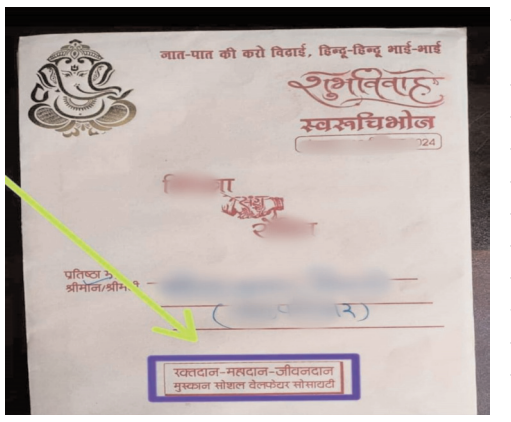

जीवनदान महादान÷ ये संदेश छपवा कर आमंत्रण भेजे गए लोक कल्याण के लिए की गई ये पहल सराहनीय एवं स्वागत योग्य है। निमंत्रण पर ये संदेश पढ़कर लोग रक्तदान के प्रति जागरूक होंगे। परिवार के मुखिया योगेंद्र मिश्रा अट्ठारह वर्ष की उम्र से रक्तदान कर रहे हैं। नियमित रक्तदान करने से स्वास्थ्य की दृष्टि से भी फायदेमंद होता है तथा रक्तदान से किसी गंभीर हालत वाले मरीज को समय पर रक्त मिलने पर उसकी जान बचाई जा सकती है।विवाह कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों को रक्तदान के प्रति प्रोत्साहन स्वरूप मिश्रा परिवार द्वारा तुलसी के पौधे उपहार में भेंट किए जायेंगे ।

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों से निपटने भोपाल के सभी थानों में साइबर डेस्क होंगी संचालित 1 दिसंबर से होगा शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम, जागरूकता एवं उत्कृष्ट अनुसंधान हेतु माननीय मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक महोदय की मंशानुसार भोपाल शहर के सभी थानों में दिनाँक 1 दिसंबर से साइबर डेस्क का शुभारंभ किया जाएगा। वर्तमान में आमज़न को साइबर धोखाधड़ी की शिकायत हेतु साइबर शाखा जाकर आवदेन देना पड़ता है, चूंकि शहर में एक ही साइबर थाना था एवं अधिकतर थानों से काफी दूर है, जिससे पीड़ितों को शिकायत हेतु साइबर थाने जाने में काफी समय लगता था और काफी परेशानी होती थी। आमजनों की सहूलियत को दृष्टिगत रखते हुए दिनाँक 1 दिसंबर से पीड़ित 5 लाख रुपये तक की धोखाधड़ी,ठगी की शिकायत सम्बंधित थानों में कर सकेंगे।

जल्द शिकायत होने से पीड़ित का पैसा साइबर पुलिस त्वरित कार्यवाही कर होल्ड करेगी और रिफंड होने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। साइबर डेस्क शुभारंभ के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने नगरीय पुलिस भोपाल के अधिकारी,कर्मचारियों के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय में 6 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। भोपाल शहर मध्यप्रदेश का पहला जिला

होगा जहां साइबर डेस्क स्थापित कर क्रियान्वित किया जाएगा। पुलिस आयुक्त ने संबोधन में कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध पुलिस के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया है, साथ ही मोबाइल एवं इन्टरनेट का अत्यधिक उपयोग से ठग आमजन की मेहनत की कमाई में सेंध लगा रहे हैं। साइबर अपराधों की रोकथाम एवं उत्कृष्ट अनुसंधान हेतु पुलिस को तकनीकी ज्ञान एवं आमजनों में जागरूकता होना बेहद जरूरी हैं, जिसके कि ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बढ़ते हुए साइबर अपराधों की गंभीरता एवं उससे होने वाले नुकसान तथा आगे आने वाले समय में होने वाली चुनौतियों के बारे में बताया गया एवं व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। साथ ही प्रशिक्षण सत्र का संचालन करते हुए भोपाल के सभी थानों में स्थापित की जाने वाली साइबर डेस्क के संचालन एवं सबंधित अधिकारी,कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं तकनीकी ज्ञान और कुशलता से सम्बंधित जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारी,कर्मचारियों को NCCRP, JMIS एवं CEIR पोर्टल के बारे मे प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसमें साइबर क्राइम की रोकथाम, टेक्निकल एनालिसिस, पब्लिक अवेयरनेस, इन्वेस्टिगेशन इत्यादि से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। आज दिनांक 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस का आयोजन प्रधानमंत्री महाविद्यालय शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका एवं बालक इकाइयों द्वारा संविधान दिवस का आयोजन किया गया कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर वर्मा ने भारत के संविधान के निर्माण उद्देशिका प्रस्तावना पर प्रकाश डाला प्राचार्य डॉक्टर आरके चौकसे जी ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाया कार्यक्रम में कुंवारी तनिष्का पाल ने डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान निर्माण में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला कुंवारी नैना मेहरा और संध्या वरगले ने संविधान की विशेषताओं पर विचार रखें कुमारी दीक्षा वर्मा ने सामाजिक न्याय का महत्व बताएं इस कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया अनुष्का सिंह ,नेहा तांती ,मनीष किर, संतोष सिंह , हैमराज, शिवम् , अमन, इत्यादि ने भाग लिया तथा महाविद्यालय शिक्षकों ने भी सहयोग किया।

पी.एम.सी एक्सीलेंस महाविद्यालय नर्मदापुरम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। बुधवार पी एम सी एक्सीलेंस महाविद्यालय जिला नर्मदापुरम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. ईरा वर्मा ने कहा सामाजिक सदभाव सहयोग सामंजस्य मानव जीवन के प्रगति की आधार शीला है हर स्वयं सेवक को सामाजिक जागृति के सतत् प्रयास करना चाहिए जिससे मानव ओर मानवता की रक्षा वर्तमान के कठिन समय में संभव हो सके प्राचार्य डॉ. आर के चौकसे ने कहा वास्तिक एवं सार्थक प्रयासों द्वारा ही हम समाज से सामाजिक कुरीतियों का का अंत के सकते है हमे अशिक्षा ऊंच नीच जाती पति की दीवार को गिरना होगा । हम होंगे कामयाब का अर्थ यह है कि हम सामाजिक भेद भाव का अंत करे सामाजिक सतभावना के लिए प्रयास करे इसमें युवाओं को ही प्रयास करना चाहिए कार्यक्रम में

छात्रा ओर छात्राओं ने भाग लिया जिसमें निकिता सैनी, पाखी , रुचि , सुरभी, लक्ष्मी, राजकुमारी , करती , सोनम , रानी , शिवम सैनी , राघव लोधी , अमन मेहरा , सलोनी , पूजा , महेश , मोहन आदि छात्रों ने सामाजिक सदभावना का विकास की तरह से किया जाए पर विचार दिए । हम होंगे कामयाब गीत का गायन किया ।

संविधान दिवस पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार भोपाल। 75 वे संविधान दिवस पर 26 नवंबर को विधिक अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग बरकतुल्लाह विश्विद्यालय भोपाल द्वारा संविधान दिवस पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर डा. मोना पुरोहित मेम द्वारा किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला में संविधान पर नए दृष्टिकोण, राजनैतिक विज्ञान के नजरिए से संविधान, संविधान, इतिहास और समाजशास्त्र अध्ययन के लिए अतः विषय दृष्टिकोण आदि प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति श्री वेद प्रकाश शर्मा जी जज हाइकोर्ट, अतिथि श्री पवन श्रीवास्तव ADGP CID पुलिस मुख्यालय भोपाल, डाक्टर श्री आई. के. मंसूरी रजिस्ट्रार क्र भोपाल, प्रोफेसर श्री एस के जैन Vice Chancellor BU भोपाल , विधि विभाग के समस्त स्टाफ सहित छात्र - छात्राओं एवं अन्य महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे । न्यायमूर्ति जी ने संविधान की व्याख्या कर छात्रों को समझाया की संविधान का कितना महत्व है एवं बीयू रजिस्ट्रार जी ने कहा की जैसे हम घर मे माता पिता का सम्मान करते हैं वैसे ही हमे संविधान का सम्मान करना चाहिए साथ ही ADGP CID श्रीवास्तव सर ने पहले के संविधान एवं वर्तमान के संविधान पर प्रकाश डाला।

भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक / गतिविधियों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम । शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शासकीय विधि महाविध्यालय, नर्मदापुरम में दिनांक 18-23 नवंबर, 2024 के मध्य भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक / गतिविधियों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 23-11-2024 को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत 'सामान्य ज्ञान' प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. कल्पना भरद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. हरि प्रकाश मिश्र रहे। निर्णायक सहायक प्राध्यापक शिवाकांत मौर्य एवं डॉ. ओम शर्मा रही एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। कुल 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें एलएल. बी प्रथम वर्ष की नेहा खपारे को प्रथम स्थान एवं एलएलबी द्वितीय वर्ष की रोशनी नरवरिया को द्वितीय स्थान एवं सुहानी, एलएल. बी प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा वर्तमान में सोशल मीडिया के लाभ और हानि पर विद्यार्थियों से चर्चा की गई

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। 28 नवंबर 20 24 को पीएमसी कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम की आज दिनांक 28 नवंबर 20 24 को पीएमसी कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा वर्तमान में सोशल मीडिया के लाभ और हानि पर विद्यार्थियों से चर्चा की गई राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर वर्मा ने कहा हमें सोशल मीडिया का लाभ अध्ययन अनुसंधान और अनुभव का ज्ञान लेने के लिए नवीनतम का ज्ञान लेने के लिए नित्य अनुसंधानों की जानकारी लेने के लिए जरूर करना चाहिए लेकिन कम समय में अधिकतम ज्ञान लाभ लेने का प्रयाकरना चाहिए विद्यार्थियों को रोजगार भविष्य निर्माण और व्यापार के नवीन अवसर सोशल मीडिया से जरूर लेना चाहिए प्राचार्य डॉक्टर आरके चौक से ने कहा कि जीवन अनमोल है हमें सोशल मीडिया का काम से कम प्रयोग करना चाहिए जीवन को बचाने के प्रयास करना चाहिए डॉ सुनील दिवाकर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रयोग जरूर करना चाहिए किंतु समय व धन का दुरुपयोग विद्यार्थियों को नहीं करना चाहिए विद्यार्थियों आशीष मनीष प्रियंका अंजलि स्नेहा महक प्रिया शीतल रोशनी ममता हरियाली उमा अहिरवार संतोष कमलेश घनश्याम सीमा ममता छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर पर चर्चा में भाग लिया महाविद्यालय क्या शिक्षक गण भी इसमें शामिल हुए डॉक्टर कल्पना विश्वास ने कहा की धन और समय के दुरुपयोग से बचे हैं सोशल मीडिया का प्रयोग केवल भविष्य निर्माण के लिए करें डॉ मंजुला भोमार्कर ने कहा वर्तमान इंटरनेट का है

फेसबुक का है किंतु इसका रोजगार व्यवसाय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सदुपयोग करना चाहिए सोशल मीडिया का प्रयोग व्यक्तिगत लाभ निजी स्वार्थ वोटो की राजनीति अफवाह फैलाने के लिए नहीं करना चाहिए राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर वर्मा ने कहा हमें सोशल मीडिया का लाभ अध्ययन अनुसंधान और अनुभव का ज्ञान लेने के लिए नवीनतम का ज्ञान लेने के लिए नित्य अनुसंधानों की जानकारी लेने के लिए जरूर करना चाहिए लेकिन कम समय में अधिकतम ज्ञान लाभ लेने का प्रयाकरना चाहिए विद्यार्थियों को रोजगार भविष्य निर्माण और व्यापार के नवीन अवसर सोशल मीडिया से जरूर लेना चाहिए प्राचार्य डॉक्टर आरके चौक से ने कहा कि जीवन अनमोल है हमें सोशल मीडिया का काम से कम प्रयोग करना चाहिए जीवन को बचाने के प्रयास करना चाहिए डॉ सुनील दिवाकर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रयोग जरूर करना चाहिए किंतु समय व धन का दुरुपयोग विद्यार्थियों को नहीं करना चाहिए विद्यार्थियों आशीष मनीष प्रियंका अंजलि स्नेहा महक प्रिया शीतल रोशनी ममता हरियाली उमा अहिरवार संतोष कमलेश घनश्याम सीमा ममता छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर पर चर्चा में भाग लिया महाविद्यालय क्या शिक्षक गण भी इसमें शामिल हुए डॉक्टर कल्पना विश्वास ने कहा की धन और समय के दुरुपयोग से बचे हैं सोशल मीडिया का प्रयोग केवल भविष्य निर्माण के लिए करें डॉ मंजुला भोमार्कर ने कहा वर्तमान इंटरनेट का है फेसबुक का है किंतु इसका रोजगार व्यवसाय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सदुपयोग करना चाहिए सोशल मीडिया का प्रयोग व्यक्तिगत लाभ निजी स्वार्थ वोटो की राजनीति अफवाह फैलाने के लिए नहीं करना चाहिए।

संविधान के आदर्शों को आत्मसात करना अनिवार्य - डॉक्टर कल्पना भारद्वाज

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। 26 नवम्बर संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में शपथ ,उद्देशिका वाचन एवं रैली का आयोजन किया गया ।संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम व नेहरु युवा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान मे श्रीमती नीतू यादव अध्यक्ष नगर पालिका एवं श्री कौशलेंद्र तिवारी समन्वयक जन अभियान परिषद के मुख्य आतिथ्य में संविधान दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया एवं भारतीय संविधान के प्रवर्तन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री कौशलेंद्र तिवारी जी के द्वारा संविधान में निहित आदर्श को विद्यार्थियों के समक्ष नवीन दृष्टिकोण के साथ बहुत ही सहज और सरल तरीके से प्रस्तुत किया गया एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को आदर्श रूप मे श्री कौशलेंद्र तिवारी जी के द्वारा सुंदर शब्दों में प्रसतुत किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव के द्वारा संविधान में

दिए गए आदर्श को अपनाने की बात कही एवं विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में

सहभागिता कर प्रथम द्वितीय एवम तृतीय स्थान प्राप्त कर वाले छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए ।संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय के छात्रों के द्वारा उद्देशिका का वाचन किया गया एवं संविधान

गीत का गायन किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्य श्री शिवाकांत मौर्य, श्री राजदीप सिंह भदोरिया ,डॉक्टर ओम शर्मा , डॉक्टर हरि प्रकाश मिश्रा एवं मनोज कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर युवाओं का नवाचार, किया संविधान की प्रस्तावना का वितरण, दिलाई शपथ।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। नगर उदयपुरा में 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर शाम की संध्या में युवाओं द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के वरिष्ठ समाजसेवी और विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। उदयपुरा अंबेडकर भवन में सभी अतिथियों ने संविधान निर्माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नगर उदयपुरा में स्थापित भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम कार्यक्रम की शुरुआत की गई सभी विशिष्ट अतिथियों और समाज सेवइयां ने संक्षिप्त समय में बाबा साहब और संविधान के विषय में अपना वक्तव्य व्यक्त किया इस आयोजन में संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सभी उपस्थित लोगों को संविधान की प्रतियां वितरित की गई। जो कि युवाओं का एक अनूठा और प्रेरणादायक प्रयास माना जा रहा है। इस कार्यक्रम का हिस्सा बने मुख्य अतिथियों में डॉ पार्वती व्याघ्र जी, श्री सत्येंद्र कुमार आठिया जी,श्री गयाप्रसाद मेहरा जी श्री आशीष रजक जी पत्रकार, श्री बालकिशन नरवरिया जी श्री रमन वामने जी वरिष्ठ समाजसेवी, श्री कुलदीप विश्नोई जी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष उदयपुरा, श्री गिरधारी लाल जैन जी, श्री संजय रघुवंशी जी, श्री भगवान सिंह जी बड़कुर, श्री रंजीत खत्री की पार्षद, श्री जितेंद्र मेहरा जी पार्षद, डॉ. आर. एन. राजपूत जी पार्षद, श्री प्रभाकर मेहरा जी प्रदेश अध्यक्ष मेहरा समाज संघ श्री संतोष पवैया जी

अध्यक्ष ब्लॉक काग्रेस कमेटी, श्री राजेंद्र यादव जी पुलिस, श्री रवि यादव जी पुलिस, श्री हेमराज अहिरवार जी पोस्टमेन, डॉ दुर्गाप्रसाद(वरिष्ठ क्षयरोग(टीबी)पर्यवेक्षक), श्री वलराम नरवरिया जी, श्री कमलेश ठेकेदार जी, श्री कडोरीलाल नरवरिया जी, श्री घनश्याम अहिरवार जी श्री हल्केवीर सूर्यवंशी जी पत्रकार, श्री कमलेश अहिरवार जी श्री नारायण अहिरवार जी, नीलेश परिहार, राजकुमार, श्रवण कुमार, हेमन्त, अंशुल, विजय आदि बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय में हुआ भारतीय ज्ञान परंपरा की गतिविधियों का समापन।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 18/11/2024 से भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अकादमिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं को संचालित किया गया तथा आज दिनांक 22/11/2024 को समापन पर प्रभारी प्राचार्य श्री सत्येंद्र कुमार आठिया ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अपना व्याख्यान देकर कहा कि वैश्वीकरण के साथ विभिन्न देशों की स्थानीय परंपराओं का प्रभाव कम हो गया है परंतु भारतीय ज्ञान परंपरा की एक समृद्ध संस्कृति रही है। भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में अपना प्रभाव छोड़ रही है खेल अधिकारी श्री पंकज आर्य जी ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अपने विचार रखें। भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रकोष्ठ प्रभारी श्री काशीराम चौधरी जी द्वारा प्राचीन एवं ऐतिहासिक काल के बिंदुओं पर प्रकाश डालकर भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को बताया। भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित भाषण, निबंध, लोकगीत, लोक नृत्य, पोस्टर निर्माण, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं कराई गई थी जिनमें प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्राप्त किए। इस कार्यक्रम को भारतीय ज्ञान परंपरा समिति द्वारा सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाकर संपन्न किया गया। महाविद्यालय के कार्यक्रम में समस्त स्टाफ श्री ओपी वर्मा, श्री संदीप भारके, श्री श्याम सुंदर प्रजापति, श्री प्रतीक लोधी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. पार्वती व्याघ्रे ने किया और कार्यक्रम में पधारे हुए सभी का आभार व्यक्त किया सभी छात्र-छात्राओं की उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर संविधान जागरूकता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

बरेली। संविधान दिवस पर शासकीय कन्या उ0 मा0 विद्यालय बरेली में ÷संविधान जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता÷ आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का आयोजन मूवमेंट 21 के द्वारा करवाया गया। मूवमेंट 21 के सदस्य श्री अरविन्द कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता को आयोजित करवाने का मुख्य उद्देश्य छात्र/छात्राओं को संविधान के विषय में जानकारी उपलब्ध कराना एवं संविधान के प्रति जागरूक करना है। शासकीय कन्या उ0 मा0 वि0 बरेली में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय की 63 छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लक्ष्मी सराठे, द्वितीय स्थान रक्षा तिवारी, तृतीय स्थान अंबिका कुशवाह ने प्राप्त किया, तीनों छात्राएँ कक्षा 11 वी (विज्ञान/गणित समूह) की हैं। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को आयोजक संस्था मूवमेंट 21 के सहयोग से श्री अरविंद कुमार द्वारा सील्ड एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये एवं प्रतियोगिता में

सहभागीता करने वाली समस्त छात्राओं को प्रमाण प्रदान करते हुए सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था में पदस्थ श्री बी0 एस0 मांडरे (व्याख्याता हिंदी) प्रभारी प्राचार्य ने विद्यालय परिवार की ओर से मूवमेंट 21 अंतर्गत श्री अरविन्द कुमार एवं डॉ0 देवेंद्र अहिरवार (सहायक प्राध्यापक) को विद्यालय में प्रतियोगिता करवाने के लिए आभार व धन्यवाद प्रेषित किया। विद्यालय में इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने के लिए समिति गठित की गई इस समिति में श्रीमती बिंदु अहिरवार (उ0 मा0 शि0) सुश्री मोनिका भूरिया (उ0 मा0 शि0), श्रीमती ज्योति धाकड़ (लैब तकनीशियन) श्री श्याम सुन्दर धाकड़ (अ0 शि0 राजनीति विज्ञान वर्ग - 1) थे। प्रतियोगिता संपन्न कराने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था प्राचार्य एवं मूवमेंट 21 के सदस्य श्री अरविन्द कुमार, डॉ0 देवेंद्र अहिरवार ने सहयोगी शिक्षक/शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगरीय निकायों की हड़ताल

शिवसेना ने प्लेसमेंट एजेंसियों पर कार्रवाई की मांग की

शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे)

जगदलपुर । शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) ने छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर तीखा रुख अपनाते हुए ठेका कंपनियों और प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हड़ताल के चलते आम जनता की आवश्यक सेवाओं पर पड़ रहे असर के लिए प्लेसमेंट एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि ठेका कंपनियों ने अनुबंध में स्पष्ट शर्तें स्वीकार की थीं कि वे आवश्यक सेवाओं में बाधा उत्पन्न नहीं करेंगे और उनके कर्मचारी सरकारी नौकरी की मांग को लेकर हड़ताल पर नहीं जाएंगे। इसके बावजूद कर्मचारियों ने पानी आपूर्ति जैसी जरूरी सेवाओं को ठप कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल अनुबंध का उल्लंघन है, बल्कि जनता के साथ विश्वासघात भी है।

प्रशासन पर सवाल उठाए

अरुण पांडे ने नगर निगम आयुक्त, जिला कलेक्टर और राज्य के नगरीय निकाय सचिव से यह पूछा है कि ठेका कंपनियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि प्लेसमेंट एजेंसियों का काम हर परिस्थिति में कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। हड़ताल के बावजूद अगर वे इसमें असफल हो रही हैं, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट करना चाहिए।

जनता के प्रति जिम्मेदारी पर जोर

शिवसेना ने स्पष्ट किया कि आम जनता की सुविधा किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होनी चाहिए। पार्टी ने चेतावनी दी है कि हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को उनकी अनुचित मांगों के चलते बढ़ावा देने से प्रशासन की साख पर सवाल उठेंगे।

ज़सरकारी नौकरी की मांग अनुचित

शिवसेना का कहना है कि प्लेसमेंट कर्मचारी कलेक्टर दर पर अस्थायी आधार पर काम करते हैं। उन्हें पहले ही यह स्पष्ट किया गया था कि यह सरकारी नौकरी नहीं है। अब चुनावी माहौल का फायदा उठाते हुए वे अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं, जो अनुचित और गैरकानूनी है। शिवसेना ने प्रशासन से तत्काल कदम उठाने और ठेका कंपनियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि नगरीय निकायों की आवश्यक सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

देवरी पेट्रोल पंप के सामने एनएच 45 पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना, युवक की मौके पर मौत

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी। नगर में एनएच 45 पर रघुवंशी पेट्रोल पंप के सामने एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 45 वर्षीय युवक हल्के प्रजापति की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हल्के प्रजापति पैदल भट्टे से लौट रहे थे, तभी तेज़ रफ़्तार डिजायर कार (नंबर- एमपी 20 एचएच 7490) ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि प्रजापति को घटनास्थल पर ही गंभीर चोटें आई, और मौके पर उनकी मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से चल रही थी और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बच्चों सहित परिवार को छोड़ गए हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

डॉ भीमराव अंबेडकर कोचिंग सेंटर में मनाया गया 75 वां संविधान दिवस

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

सतना - आज का दिन काफी हम सभी के लिए बहुत ही खास है। क्योंकि आज ही के दिन हमारे देश ने संविधान को अपनाया था। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के नेतृत्व में हमारा संविधान बना जिसके बाद इसे आज तक सर्वोपरि माना जाता है। देश आज 75 वाँ संविधान दिवस मना रहा है। सतना जिले के अम्बेडकर वार्ड नं .1 में विगत कई वर्षों से संचालित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कोचिंग सेंटर सतना के समस्त छात्र छात्राओं के द्वारा महापुरुषों पर पुष्प अर्पित कर बड़े ही हर्ष उल्लास साथ संविधान दिवस के उपलक्ष पर संविधान दिवस जागरूकता पैदल यात्रा एवं रैली प्रभात फेरी के रूप में अम्बेडकर वार्ड नं 1, करही पार, टावर वाला अमौधा, शेरगंज नई बस्ती,आदि मार्गो से निकली गई और कोचिंग संचालक राकेश कुमार बौद्ध के द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा के पास संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया गया और कहा कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है, जिसे तैयार होने में कुल 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे। कई देशों के संविधान के अधय्यन करने के बाद भारतीय संविधान को लागू किया गया था। भारत में हर साल 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। हम सभी को शिक्षा के मार्ग पर चलना जरूरी है सभी छात्र छात्राएं आप भारतीय संविधान को अवश्य पढ़ें और आगे बढ़े संविधान सभी को समान अधिकार देता है भारतीय संविधान से पूरा देश चलता है आप सभी अधिक से अधिक पढ़े लिखे आगे बढ़े मिलकर रहे शिक्षा को प्राप्त करे7 वहां पर उपस्थित सभी छात्र छात्राओं , ग्रामवासियों को भंडारे में प्रसाद के रूप में खिचड़ा को खिलाया गया आज के संविधान दिवस जागरुकता पैदल यात्रा एवं रैली के कार्यक्रम में सचिन अहिरवार ,राज अहिरवार,राजा अहिरवार, ओमप्रकाश अहिरवार (दादा),राजेश अहिरवार,राहुल अहिरवार,समाज सेवी सुनील चौधरी जी के द्वारा बच्चो को पिन वितरण एवं पीने के लिए पानी की व्यवस्था की गई एवं कोचिंग के समस्त छात्र छात्राये का बहुत योगदान रहा।

धम्म भूमि श्रेष्ठ जीवन के लिए एक आंदोलन

विश्वरतन, बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य
धम्मदेशना का एकदिवसीय कार्यक्रम
दिनांक 08 दिसंबर 2024 दिन रविवार
समय दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक

कार्यक्रम विवरण

- स्वागत
- बुद्ध वंदना
- धम्मदेशना
- खीर वितरण

आप सभी सह परिवार सादर आमंत्रित है
स्थान – संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर तहसील कार्यालय के पीछे बाड़ी
निवेदक – समस्त उपासक उपासिकाएं बाड़ी
संपर्क – एड. जीतेन्द्र मूलनिवासी 8461044272
श्री नेपाल सिंह 7987910946

कानून की दलील है,स्वतंत्रता का ये मील है,
कर्तव्य है,अधिकार है, विचारों का अंबार है।
स्वराज भी इसी से है,इसी से वतन महान है,
ये हमारा संविधान है , भारत का संविधान हैं ।

आज विश्व के सबसे बड़े ग्रंथ के अंगीकार दिन संविधान दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

आज संविधान दिवस के अवसर पर देश को एक प्रगतिशील और मजबूत लोकतांत्रिक संविधान देने वाले बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेड़कर जी को कोटी कोटी नमन । ??

भावना मंगलमुखी की महाराष्ट्र स्पेशल सनसनीखेज रिपोर्ट

महाराष्ट्र में महायुति की सुनामी या केंचुआ का महावोटाला ?

26 नवंबर 2024, मुंबई

साथियों नवंबर माह में ही महाराष्ट्र और झारखंड राज्य की विधानसभा और देश के लगभग आठ राज्यों में विधानसभा उपचुनावों के साथ नांदेड़ व वायनाड की लोकसभा सीटों के लिए भी उपचुनाव संपन्न हुए और इन सभी की मतगणना 23 नवंबर को की गई।

हालांकि एक स्थापित धारणा के मुताबिक अधिकांश राज्यों के उपचुनावों में राज्य का सत्ताधारी दल जैसे कर्नाटक में कांग्रेस, बंगाल में तृणमूल, बिहार में जेडीयू, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में बीजेपी, पंजाब में आम आदमी पार्टी अधिकांश सीटों को जीतने में कामयाब रहे लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आंकड़ों (बीजेपी अकेले 132, शिंदे सेना 57, अजित पवार 41 महायुति कुल 230 तो उद्धव सेना 20, कांग्रेस 16, शरद पवार 10, महाविकास आघाड़ी कुल 46 तथा अन्य 12) ने हर किसी पत्रकार, चुनावी विश्लेषक और किसी भी पार्टी के समर्थकों को भी हैरान व आश्चर्यचकित कर दिया।

चूंकि मैं स्वयं एक किन्नर हूं। मैं मेरे जीवनयापन के लिए अलग - अलग जगहों पर जाती हूं, कई लोगों से बातचीत भी करती हूं और खासकर दिवाली से पंद्रह दिन पूर्व से मतदान के दिन तक मैंने मतदाताओं के मूड को भांपने का खूब प्रयास किया और पाया था कि --

* बीजेपी के मतदाता एकनाथ शिंदे की शिवसेना के उम्मीदवार के पक्ष में तो खड़े नज़र आते थे लेकिन अजित पवार को अभी भी भ्रष्टाचारी बताते थे और उनके चुनाव पश्चात महाविकास आघाड़ी की तरफ़ चले जाने की आशंका भी जता रहे थे।
* लाड़की बहिन योजना के बारे में पूछने पर जहां बीजेपी के पारंपरिक वोट बैंक में उत्साह था वहीं कम से कम वंचित समाज और ग्रामीण इलाकों के लोग तो गैस सिलेंडर, खाने के तेल के दाम बढ़ने और कपास व सोयाबीन के भाव की बात करते थे।
* बीजेपी के कट्टर मतदाता भी बताते थे कि बहुमत भले किसी भी गठबंधन को मिले लेकिन सरकार महायुति की ही बनेगी।
* जब आज भी नतीजों की विश्वसनीयता पर भी मैं लोगों की राय जानने का प्रयास कर रही हूं तो बीजेपी के कट्टर मतदाता भी यह बात स्वीकार करते हैं कि उन्हें विश्वास था कि सरकार महायुति की बनेगी लेकिन इतनी सीटें मिल जाएगी, ऐसी उम्मीद तो उन्हें भी नहीं थी।
* हालांकि बीजेपी और शिंदे के साथ रहने से हिंदुत्व का मत थोड़ा उद्धव ठाकरे से शिंदे की तरफ झुकता नज़र आ रहा था लेकिन आज भी सबको इस बात का आश्चर्य हो रहा है कि अजित पवार को शरद पवार से ज्यादा सीटें कैसे मिली ?
* खुद अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने अपने इंटरव्यू के दौरान 160 से 170 सीटें जीतने का ही दावा किया था।
* हालांकि मैं भी हर चुनाव में मेरा चुनावी आंकलन करती हूं और मेरे आंकलन के मुताबिक मुझे बीजेपी करीब 80, एकनाथ शिंदे करीब 40 और अजित पवार की एनसीपी मात्र एक दर्जनभर सीटों के साथ महायुति 130 - 135 सीटों पर तो कांग्रेस भी करीब 60, शरद पवार 40 और उद्धव ठाकरे लगभग तीन दर्जन सीटों के साथ महाविकास आघाड़ी भी लगभग 130 - 135 के आसपास नज़र नज़र आते थे। 20 - 22 सीटों पर निर्दलीय भी काफ़ी मजबूत थे। दोनों ही गठबंधनों को लगभग 40 - 41 प्रतिशत व करीब 18 प्रतिशत अन्य छोटे दलों व निर्दलीय के खाते में जाने का आंकलन था। इसलिए मेरा अनुमान था कि ईडी - सीबीआई की मदद व निर्दलियों के सहयोग से महायुति की ही सरकार बनेगी।
* एक बात मैं स्पष्ट कर दूं कि हरियाणा चुनाव पूर्व तक मैं कभी भी ईवीएम मशीनों पर संदेह नहीं करती थी और मैं इसे विपक्ष द्वारा अपनी नाकामियों को छिपाने का बहाना मानती थी। हालांकि पहली बार मुझे लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर संदेह हुआ था फिर भी हरियाणा में भी यह सोचकर संतोष कर लिया कि हरियाणा में तो लोकसभा की सीटें भी बराबर - बराबर ही मिली थी और विधानसभा चुनाव में भी वोट प्रतिशत भी मामूली ही ज्यादा था इसलिए वहां बीजेपी एक बनाम पैंतीस कौम यानि जाटों के खिलाफ़ अन्य सभी को गोलबंद करके चुनाव जीत लिया होगा और कांग्रेस को उसकी गुटबाजी और उसके बागियों ने ही हरवा दिया होगा।
* अब तक मैं यही मानती थी कि बीजेपी अपने तथाकथित माइक्रो मैनेजमेंट के तहत विपक्ष के वोट कटवा बागी उम्मीदवारों को स्पॉन्सर करके, हिंदू - मुस्लिम से अपने वोट का ध्रुवीकरण करके, विपक्ष के जातिगत वोटबैंक जैसे उत्तर प्रदेश व बिहार में यादव, हरियाणा में जाट और महाराष्ट्र में मराठा के खिलाफ़ अन्य जातियों की गोलबंदी करके और मतदाताओं को पैसे बांटकर चुनाव जीतती है।
* साथ ही चुनाव जीतने के लिए विपक्षी पार्टियों और उनके उम्मीदवारों को डराने के लिए ईडी - सीबीआई, इनकम टैक्स का उपयोग भी करती है जैसे सूरत, इंदौर, झांसी मॉडल।
* लेकिन महाराष्ट्र में कई विधानसभा क्षेत्रों से ऐसी खबरें आ रही है जैसे कि देवलाली विधानसभा के वंचित बहुजन आघाड़ी तथा दहिसर विधानसभा में मनसे प्रत्याशी के अपने गांव के बूथ पर उनके परिवार के सदस्यों के भी वोट नहीं मिले।
* धूलिया ग्रामीण से रिपोर्ट मिल रही है कि एक गांव के लोग तो इसलिए सड़कों पर उतर आए क्योंकि उनका दावा है कि उनके गांव में 70 प्रतिशत मतदान कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में किया था लेकिन गिनती में कांग्रेस को शून्य मत मिला।
* भाजपा नेता विखे पाटील की कॉलेजों में पढ़ रहे दूसरे जिलों के अपनी विधानसभा के में विद्यार्थियों के फर्जी मतदान पहचान पत्र बनवाकर मतदान करवाते रंगे हाथों पकड़े गए।
* एक वीडियो धनंजय मुंडे की परली विधानसभा से भी आया है जहां यूपी मॉडल की तरह उनके समर्थक गुंडे विरोधी पक्ष के मतदाताओं को बूथ तक आने से रोकते नज़र आ रहे हैं।
* कुल मिलाकर मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचती हूं कि इसमें बेचारी ईवीएम का कोई दोष नहीं है, उनमें न तो विवेक होता है, न ही भावनाएं होती है, उसे तो संचालित करने वाला व्यक्ति या प्रोग्राम जो निर्देश देता है, वह सिर्फ़ उनका पालन करती है।
* लोग आशंका जता रहे है कि यह हरियाणा मॉडल है लेकिन मैं कहती हूं यह हरियाणा नहीं, मध्य प्रदेश नहीं बल्कि गुजरात का प्रो इनकमबैन्सी मॉडल है। गुजरात चुनाव पूर्व ही राजीव कुमार ने चुनावी नियमों में बदलाव करते हुए मतदान समय सीमा पूर्ण होने के पश्चात भी कतार में खड़े सभी लोगों को मतदान करवाने का नियम बनाया था और उसके बाद प्रत्येक चुनाव में देर रात अप्रत्याशित मतदान प्रतिशत बढ़ने का प्रचलन बढ़ा है।
* मुझे लगता है जनमत वोटाले के कई तरीके है और हर बार या हर जगह अलग - अलग तरीके अपनाए गए है जैसे -- विपक्षी पार्टियों के मनी ट्रांसफर पर कड़ी नज़र रखना और आक़ा के विमान की तलाशी का सिर्फ़ दिखावा करना, विपक्ष के मतदाताओं को चिन्हित करवाकर मतदाता सूची से उनका नाम हटवाना, अशिक्षित मतदाताओं को मतदान न करने के लिए पैसे देना और बिना वोटिंग स्याही लगाना, अपने लोगों की फर्जी वोटिंग करवाना, डिजिटल हैकिंग के माध्यम से निश्चित समय पश्चात फ्रिक्वेंसी सेटिंग एक्टिव करना, ईवीएम सुरक्षा कक्ष के सीसीटीवी बंद करके ईवीएम का डाटा या ईवीएम मशीन ही बदल देना।
* कुछ अंधभक्त कुतर्क करते है कि विपक्ष बंगाल, जम्मू कश्मीर, झारखंड में कैसे जीता तो मैं कहती हूं चुनाव आयोग आपकी तरह मूर्ख नहीं बल्कि धूर्त है। आम इंसान उनकी चालाकी समझ न पाए इसलिए दो या दो से अधिक राज्यों के चुनाव में महत्वपूर्ण राज्य हेराफेरी करके मोदी को दे देता है और छोटा राज्य सांत्वना पुरस्कार की तरह विपक्ष को दे देता है ताकि वह भी ईवीएम का खुलकर विरोध न कर पाए।
* हालांकि मेरा मानना है कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और हरियाणा और लोकसभा चुनावों में जहां राजनीतिक समीकरण पुराने ही थे, वहां और खासकर डबल इंजन वाले राज्यों में सफलतापूर्वक आटे में नमक जितनी नाप - तोलकर हेराफेरी कर पाए और आम लोगों को शक नहीं हुआ और उसे ही जनमत का फैसला मान लिया लेकिन चूंकि महाराष्ट्र में राजनीतिक पार्टियों की टूट और नए समीकरणों के बीच बराबर नाप - तोलकर हेराफेरी नहीं कर पाए, परिणामस्वरूप लोकसभा में स्वाद फीका कर रह गया तो इस बार चाय में शक्कर जितनी मिलावट कर दी इसलिए नतीजे तो मीठे हो गए लेकिन निष्पक्ष लोगों को भी डायबिटीज होने का डर लगने लगा है और वे भी ईवीएम के मतों में विपक्ष को समाप्त करने की साजिश की कृत्रिम मिलावट का दावा करने लगे हैं।
* मेरा मानना है कि चोर कितना भी शातिर क्यों न हो जब वह एक ही समय एक ही मोहल्ले में एक साथ कई घरों में चोरी करता है तो जल्दबाजी या हड़बड़ाहट में कहीं न कहीं अपने सबूत छोड़ देता है इसलिए अगर लोकसभा चुनाव में तिरुपति सीट और उपचुनाव में नांदेड़ लोकसभा और कुंदरकी विधानसभा के चुनावी नतीजों पर विशेषज्ञों की मदद से विशेष शोध व अध्ययन किया जाए तो सारा खेल पकड़ में आ जाएगा।
* मेरी सांख्यिकी समझ के अनुसार महाराष्ट्र में 7.83 प्रतिशत मतदान बढ़ाकर जो करीब 76 लाख वोट बढ़ाए गए है यानि औसतन हर सीट पर 26500 वोट एकतरफा सत्ताधारी महायुति घटकों के पक्ष में बढ़ाए गए। इससे महायुति को वास्तविक मतदान में 26500 से कम अंतर वाली लगभग 100 सीटें अतिरिक्त मिल गई वर्ना महायुति लगभग 130 सीटें ही जीत पाती।
* लोकमत मराठी समाचार पत्र ने भी चुनाव आयोग के आंकड़ों का विश्लेषण करके बताया कि 95 सीटों पर मतदान किए गए वोट और गिने गए वोटों में भी अंतर पाया है।
* अगर हरियाणा जितनी ही 20 - 25 सीटों पर हेराफेरी की होती तो सामान्य इंसान भी मान लेता कि लाड़की बहिन योजना और बंटेगे तो काटेंगे के नारे और आरएसएस ने काम किया होगा या हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा - कुमारी शैलजा की गुटबाजी की तरह महाराष्ट्र में संजय राउत और नाना पटोले का बड़बोलापन ने नुकसान कर दिया होगा लेकिन किसी एक पार्टी का भी नेता विपक्ष के लायक न रहना भी लोगों की आशंका को बल देता है।
* चूंकि चुनाव आयोग मतगणना से पूर्व प्रत्येक विधानसभा में मतदान की वास्तविक संख्या न बताकर सिर्फ़ मत प्रतिशत बताता है, साथ ही मतदान का प्रतिशत दिनभर जिलेवार बताता है और अंतिम आंकड़े विधानसभावार जारी करता है ताकि बड़े - बड़े सांख्यिकीविद भी वास्तविक गड़बड़ी को आसानी से न पकड़ पाए।
* गड़बड़ी की आशंका इससे भी पुष्ट होती है कि चूंकि बीजेपी को अपने महायुति के साथियों पर भी पूरा भरोसा नहीं था, इसलिए 132 अकेले बीजेपी और 12 निर्दलीय या छोटी पार्टियों के विधायक मिलाकर ही बहुमत का जुगाड किया गया।
* महाराष्ट्र और हरियाणा में मोदीजी की रेलियों में हजारों कुर्सियां खाली दिखती थी फ़िर भी नतीजे आश्चर्यजनक रूप से एकतरफा बीजेपी के पक्ष में वहीं झारखंड में भी शिवराज सिंह चौहान और हेमंता बिस्वा सरमा द्वारा तीन महीने तक लगातार डेरा डालने के बावजूद पहले से भी कम सीटें मिलना। साथ ही झारखंड में पहले चरण और दूसरे चरण के चुनाव में वोट क्रमशः 01.73 तथा 0.86 प्रतिशत ही बढ़ा और बीजेपी को सीटें भी इसी अनुपात में मिली। इसी प्रकार जिस भी राज्य में मत प्रतिशत जितना ज्यादा बढ़ा, बीजेपी को उतनी ही बड़ी सफलता मिली और जहां मत प्रतिशत में कम इज़ाफ़ा हुआ वहां बीजेपी की सीटें घटी। यह रहस्य इस संदेह को और गहरा करता है।
* जहां भी मतगणना में गड़बड़ी की आशंका हुई और दोबारा मतगणना करवाई गई, वहां पहली बार हमेशा बीजेपी प्रत्याशी ही जीता और दोबारा गिनती के बाद कोई अन्य प्रत्याशी जीतता है। ताजा उदाहरण नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव। ऐसा कभी क्यों नहीं होता कि पहली मतगणना में कोई अन्य जीते और दोबारा गणना में बीजेपी जीते।
* सुबह - सुबह बैलेट पेपर में विपक्ष जीतता दिखता है और दस बजे के आसपास अचानक बीजेपी बड़ी बढ़त बना लेती है और दो - दो घंटे तक आंकड़ों में कोई बदलाव भी नहीं होता और अंततः वैसे ही आंकड़े लगभग अंतिम नतीजे बन जाते है।
* कल यानि 25 नवंबर को मैं शरद पवार साहब की अध्यक्षता में स्वर्गीय यशवंतराव चव्हाण साहेब की 40वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम के उपलक्ष्य में वाई. वी. चव्हाण सेंटर, मंत्रालय जा रही थी, तब यात्रा में चुनाव ड्यूटी से वापसी कर रहे कई सीआरपीएफ के जवान मिले, जो दिल्ली की ट्रेन पकड़ने के लिए लोकल से मुंबई सेंट्रल जा रहे थे। तब मैंने उनसे चुनाव के अनुभव के बारे में बातचीत की तो एक हरियाणा और एक राजस्थानी जवान ने भी मुझे बताया कि हमारे ऊपर भी सरकार का बहुत दबाव रहता है। हमारे में भी हर रुप के साथ एक सरकारी चमचा कट्टर अंधभक्त जवान रहता है और उसे ही हमारा बॉस बनाया जाता है इसलिए हमें भी मजबूरन सत्ता के साथ दिखना पड़ता है।
* हां एक गलती या लापरवाही मैं विपक्ष की भी मानती हूं कि भले आपके पास लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं था लेकिन आपने अपने पोलिंग एजेंट सुप्रशिक्षित, अनुभवी, कर्मठ जुझारू, समर्पित, निष्ठावान और कट्टर ईमानदार लोगों को नहीं बनाया जो आरएसएस की तरह मतदाताओं को बूथ तक ला पाते और न ही ईमानदारी पूर्वक निगरानी रख पाते। हो सकता है बीजेपी वाले विपक्ष के पोलिंग एजेंट को भी पैसा देकर उसके सामने ही गड़बड़ियां करवाते हो या खाली फार्म 17सी पर साइन करवा देते हो इसलिए अगर विपक्ष लोकसभा चुनाव के दौरान स्टालिन जी की तरह फार्म 17सी को अपनी पार्टी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर देता तो केंचुआ पर गड़बड़ी न करने का एक मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ता।
* एक जमीनी सर्वेक्षक के तौर पर मेरा दावा है कि आज की स्थिति में जहां इंडिया गठबंधन एकजुट होकर लड़ेगा वहां वह मत प्रतिशत में बीजेपी से बीस है और अगर हार भी जाएगा तब भी एक मजबूत विपक्ष के रूप में रहेगा, जहां कांग्रेस - बीजेपी की आमने - सामने की टक्कर है, वहां बीजेपी थोड़ी भारी है लेकिन अगर बीजेपी पहले से सत्ता में है तो एंटी इनकमबैन्सी फैक्टर से सत्ता परिवर्तन होता है।
* मेरे सर्वेक्षण के मुताबिक उत्तर भारत खासकर राजस्थान व हरियाणा में बीजेपी का आधार वोट 2014 के बाद लगातार बढ़ा है। 2014 से पहले हर छठा व्यक्ति संघ और कट्टर हिंदुत्व के आधार पर वोट करता था। 2014 में हर पांचवा व्यक्ति अंधभक्त बना, 2019 में हर चौथा व्यक्ति अंधभक्त बना और आज हर तीसरा व्यक्ति अंधभक्त है। इसलिए आज की तारीख में जहां सिर्फ़ कांग्रेस और बीजेपी दो प्रमुख दल है, वहां बीजेपी और कांग्रेस के पास क्रमशः 35 व 30 प्रतिशत वैचारिक मतदाता है और लगभग 10 प्रतिशत उदारवादी फ्लोटिंग मतदाता है जो हमेशा बदलाव की बात करते है और सत्ताधारी पार्टी को बदलने में भूमिका निभाते है।

अब आगे क्या ?

* प्रत्येक पार्टी तुरंत प्रभाव से अपनी पार्टी में कुछ चुनावी डाटा विशेषज्ञों की नियुक्ति करे। आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण द्वारा गड़बड़ियों के प्रमाण जुटाए और निर्धारित समयसीमा में चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाले और सुप्रीम कोर्ट पर भी दबाव डालने हेतु धरातल पर एक मजबूत जनांदोलन खड़ा करे और संपूर्ण विपक्ष मिलकर ईवीएम से चुनाव न लड़ने की घोषणा करे।
* अन्यथा अब आगे दिल्ली विधानसभा और बीएमसी के चुनाव एकसाथ होंगे, उसमें ये बीएमसी पर कब्जा करेंगे और दिल्ली चूंकि उसे उपराज्यपाल से नियंत्रित कर लेंगे इसलिए दिल्ली केजरीवाल को सौंपकर ईवीएम के मुद्दे को गौण कर देंगे। और हां केजरीवाल को भी सीमित बहुमत देंगे और ये मजबूत विपक्ष बनेंगे ताकि ये फिर बड़ी - बड़ी डींगे भी हांक सके कि हम सत्ता में भले ही नहीं आ पाए लेकिन हमारी सीटें तो बढ़ी है और लोग भी फ़िर से ईवीएम पर भरोसा करने लग जाएंगे। आखिर केजरीवाल भी तो विचारों से इनका ही छोटा भाई खाकी चड्डीधारी नारंगी गैंग का ही तो है।
* अगर आप ईवीएम को बंद नहीं करवा पाए तो विपक्षी पार्टियों के जीते हुए सांसद और विधायक भी अपना भविष्य बचाने हेतु बीजेपी में चले जाएंगे और सभी विपक्षी नेताओं की स्थिति उन रजवाड़ों के जैसी हो जाएगी जिनका साम्राज्य तो छीन चुका होगा, सिर्फ़ हवेलियां बचेगी यानि सिर्फ़ कांग्रेस मुक्त ही नहीं बल्कि विपक्ष मुक्त संसद और अंधभक्तों का भारत बचेगा।

आखिर कैसे होता है ईवीएम से खेल और कैसे पकड़े उसकी चोरी ?

चूंकि ईवीएम की सारी चोरी सिंबल लोडिंग प्रोग्राम में किसी एक विशेष उम्मीदवार के पक्ष में उनके क्रमांक अनुसार फ्रिक्वेंसी सेटिंग के माध्यम से की जाती है। शुरू में ऐसी शिकायतें आती थी कि ईवीएम में बटन कोई दबाओ, पर्ची कोई निकलती है। अब उस ट्रिक में थोड़ा सुधार कर दिया गया है। अब जो बटन दबेगा, पर्ची वही निकलेगी लेकिन कंट्रोल यूनिट में आंकड़ा उस फ्रिक्वेंसी सेटिंग के अनुसार ही बढ़ेगा। इसका मतलब जनता वोट डाल रही है वीवीपेट में लेकिन मतदान में गिना जा रहा है सिर्फ़ कंट्रोल यूनिट का वोट इसलिए 100 प्रतिशत वीवीपेट की पर्ची का मिलान करने पर वह चोरी अवश्य ही पकड़ी जाएगी।

विशेष

यह सेटिंग किसी समय के अनुसार भी की जा सकती है जैसे 20 नवंबर को सुबह 11:00 बजे शाम 5:00 बजे तक ताकि अन्य समय में आप उस पर मोकपोलिंग करेंगे तो आपको बिल्कुल सही परिणाम ही मिलेंगे। और हां सिंबल लोड करने वाले को इस सेटिंग की जानकारी नहीं होती, ये उसके प्रोग्राम में होती है।

चूंकि महाराष्ट्र विधानसभा में ईवीएम हैकर्स द्वारा जनमत को महायुति के पक्ष में करने की प्लानिंग का वीडियो भी मेरे पास आया है उसके आधार पर मुझे आशंका है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फ्रिक्वेंसी आइसोलेशन/शॉर्टिंग तकनीक से कांग्रेस, शिवसेना ठाकरे और शरद पवार के हर तीसरे या चौथे वोट को पर्ची सही छापने के बावजूद कंट्रोल यूनिट में क्रमशः बीजेपी, शिंदेसेना और अजित पवार में जोड़ा गया। इसलिए कम्युनिस्ट, समाजवादी, एआईएमआईएम के मजबूत उम्मीदवारों को नुकसान नहीं हुआ लेकिन प्रमुख विपक्षी दलों को आमने - सामने की सीटों पर ज्यादा नुकसान हुआ। इसलिए 100 प्रतिशत वीवीपेट पर्ची गिनते ही यह चोरी साबित हो जाएगी।

अंत में एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि अधिकांश विपक्ष के नेता आम जनता के संपर्क में रहने के बजाय सिर्फ़ अपने से ऊपर स्तर के नेताओं के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने में ही व्यस्त रहते हैं। आम कार्यकर्ता उनके साथ सेल्फी को भी तरसता है। ये नजरिया भी बदलना होगा।

कुछ बड़े पत्रकार भी एसी में बैठकर ही हरियाणा में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत बता रहे थे जबकि हुड्डाजी खुद ही 55 सीट जीतना चाह रहे थे और जीत भी रहे थे लेकिन बीजेपी ने 18 - 20 सीटों पर ईवीएम से खेल कर दिया।

नेपाल से वापस आए भारतीय सेना प्रमुख, गोरखाओं की भर्ती पर बना सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल की पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पूरी कर रविवार का स्वदेश लौट आए। इस दौरे का उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना था। हालांकि, पिछले चार साल से रुकी हुई गोरखा सैनिकों की भर्ती को फिर से शुरू करने पर कोई स्पष्टता नहीं आई है। सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, यह दौरा तय लक्ष्यों से आगे बढ़कर सफल रहा। इसने दोनों देशों की सेनाओं के बीच शांति, सुरक्षा और साझेदारी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उच्च स्तरीय मुलाकातें, लेकिन गोरखा भर्ती पर चुप्पी : नेपाल दौरे पर जनरल द्विवेदी ने वहां के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, रक्षा मंत्री मणबीर राय और नेपाली सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल से मुलाकात की। लेकिन गोरखा सैनिकों की भर्ती पर किसी आधिकारिक बयान या मीडिया रिपोर्ट में कोई चर्चा नहीं की गई। नेपाल के मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब भारत-नेपाल संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और नेपाल में चीन की बढ़ती दिलचस्पी ने चिंताओं को बढ़ा दिया है।

गोरखा भर्ती पर विवाद : गोरखा सैनिकों की भर्ती 2020 में कोविड-19 महामारी और 2021 में लागू हुई अग्निवीर योजना के कारण रुकी हुई है। अग्निवीर योजना के तहत सैनिकों को चार साल के लिए भर्ती किया जाता है, जिसमें से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सेवा में शामिल किया जाता है। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल ने इस योजना पर आपत्ति जताई है और इसे 1947 के भारत-नेपाल-ब्रिटेन त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन बताया है। नेपाल ने चार साल की सेवा के बाद गोरखा सैनिकों की पुनः रोजगार योग्यता पर भी चिंता जताई है। फिलहाल, भारतीय सेना में लगभग 32,000 नेपाली गोरखा सैनिक कार्यरत हैं। 2020 के बाद से करीब 15,000 गोरखा सैनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं, लेकिन उनकी जगह नई भर्तियां नहीं हुई। इससे पहले, नेपाल से सालाना भर्ती 1,500 से 1,800 के बीच होती थी। स्वतंत्रता के समय गोरखा बटालियनों में 90 प्रतिशत सैनिक नेपाल के थे और शेष भारतीय थे। वर्तमान में यह अनुपात 60:40 है। स्थिति से निपटने के लिए सैन्य हलकों में चल रहे सुझावों में से एक यह था कि गोरखा बटालियनों की संख्या धीरे-धीरे कम की जाए और भारत के गोरखाओं की संख्या बढ़ाई जाए। भारतीय सेना की गोरखा ब्रिगेड में कुल 39 गोरखा राइफल्स (जीआर) बटालियन शामिल हैं जो सात पैदल सेना रेजिमेंट बनाती हैं - इनमें 1 जीआर, 3 जीआर, 4 जीआर, 5 जीआर 8 जीआर, 9 जीआर और 11 जीआर शामिल हैं। उनका इतिहास अप्रैल 1815 का है, जब 1 जीआर को तत्कालीन ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल आर्मी के हिस्से के रूप में स्थापित किया था। 11 जीआर स्वतंत्रता के बाद गठित एकमात्र रेजिमेंट है, जिसमें ब्रिटेन को आवंटित बटालियनों से गोरखा सैनिकों को शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने जाने का विकल्प नहीं चुना।

ऐतिहासिक संबंधों पर चीन की छाया : नेपाल में भारतीय सेना के लिए गोरखा सैनिकों की भर्ती ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण रही है। लेकिन हाल के वर्षों में नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत-नेपाल संबंधों पर असर डाला है। चीन ने न केवल नेपाली सेना को हथियार और वाहन उपलब्ध कराए हैं, बल्कि उसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत जोड़ने का भी प्रयास किया है। इसके अलावा, भारत-नेपाल-चीन त्रिजंक्शन पर सीमा विवाद भी तनाव का कारण बना हुआ है।

भारत-नेपाल सैन्य सहयोग : भारत, नेपाल की सेना को आधुनिक बनाने के लिए उसे उपकरण और प्रशिक्षण प्रदान करता रहा है। भारतीय सेना द्वारा नेपाल को ध्रुव और चीता हेलीकॉप्टर, ढुह्मस्र राइफल और माइंस से बचाने वाले वाहन भी दिए गए हैं। नेपाली सेना प्रमुख को मानद भारतीय सेना प्रमुख का खिताब और इसी तरह भारतीय सेना प्रमुख को नेपाली सेना के मानद जनरल का खिताब देने की परंपरा दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को दर्शाती है। हालांकि जनरल द्विवेदी का दौरा सफल बताया गया है, लेकिन गोरखा सैनिकों की भर्ती को लेकर जारी सस्पेंस भारत-नेपाल रक्षा संबंधों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

ये हिंदुत्व की जीत है, महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा चलेगा, फतवा नहीं- नितेश राणे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की शानदार जीत के बाद भाजपा नेता नितेश राणे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि ये हिंदुत्व की जीत है। हमारे महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने जवाब दे दिया है कि हमारे महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा ही चलेगा फतवा नहीं चलेगा। राणे ने कहा, ये जनादेश लव जिहाद, लैंड जिहाद और इस्लामीकरण के खिलाफ मिला है। महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने सीधा संदेश दिया है कि मस्जिदों में 5 बार बजने वाले लाउड स्पीकर बंद हो जाने चाहिए। सब जगहों पर जो हरी चादर डालने का कार्यक्रम शुरू हुआ था उसके खिलाफ हमें जनादेश मिला है। नितेश राणे ने कहा कि अभी महाराष्ट्र में केवल भगवाधारियों का ही राज्य चलेगा। इसी तरह का जनादेश मिलने की वजह से आने वाले दिनों में उसी तरह की सरकार दिखेगी। मालूम हो कि भाजपा के प्रमुख विजयी उम्मीदवारों में मौजूदा विधायक नितेश राणे शामिल हैं, जिन्होंने सिंधुदुर्ग जिले की कंकावली विधानसभा सीट पर 58,007 मतों के अंतर से जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार नितेश नारायण राणे ने शिवसेना (यूटीबी) के कैंडिडेट संदेश भाष्कर पारकर को हराया है। महायुति ने महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर भारी बहुमत से सत्ता बरकरार रखी। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के नामों वाले राजपत्र की प्रतियां भेंट कीं। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें राजपत्र और आयोग की अधिसूचना की प्रतियां सौंपी। राज्य चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में शराब परोसने पर लगी रोक, पुणे वाले शो से पहले बड़ा फैसला

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र आबकारी विभाग ने पुणे के कोथरुड इलाके में अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ के म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने इस कार्यक्रम में शराब परोसने का परमिट रविवार को रद्द कर दिया। कोथरुड के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक चंद्रकांत पाटिल सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने रविवार शाम होने वाले कंसर्ट में शराब परोसने की योजना पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद विभाग ने परमिट रद्द करने का फैसला लिया। महाराष्ट्र के आबकारी आयुक्त सी राजपूत ने कहा, राज्य आबकारी विभाग ने कॉन्सर्ट के दौरान शराब परोसने की अनुमति रद्द कर दी है। भाजपा विधायक पाटिल ने कोथरुड के काकाडे फार्म में होने वाले संगीत कॉन्सर्ट पर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक बयान में कहा है, 'ऐसे शो शहर की संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। इससे क्षेत्र के निवासियों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी होगी। आयोजन से यातायात जाम भी होगा। इसलिए, मैंने शहर के पुलिस आयुक्त से कार्यक्रम रद्द करने का आग्रह किया है।' दूसरी ओर, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पिछले महीने दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के बाद दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फैली गंदगी का संज्ञान लिया है।

अहमदाबाद पुलिस ने फर्जी आईएएस अधिकारी को किया गिरफ्तार, जांच जारी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में फर्जी अधिकारियों के पकड़ने का सिलसिला जारी है। अब अहमदाबाद पुलिस ने फर्जी आईएएस बने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मेहुल शाह के रूप में हुई है। शाह पर आरोप है कि उसने व्यक्तिगत फायदे के लिए एक फर्जी लेटर पैड तैयार किया और खुद को आईएएस अधिकारी के रूप में पेश किया। शिकायत मिलने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले गुजरात में फर्जी पीएमओ अधिकारी और फर्जी पुलिस अधिकारी भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर जेके मकवाना के मुताबिक, कार किराए पर देने वाले व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आरोपी मेहुल शाह ने शिकायतकर्ता से कार किराए पर लेने के लिए संपर्क किया। शाह खुद को राजस्व विभाग का निदेशक और आईएएस अधिकारी बताता था। आरोपी ने कार में सायरन और पर्दा लगाने के लिए गृह मंत्रालय, विज्ञान एवं अनुसंधान विभाग का फर्जी पत्र भी पेश किया। पुलिस इंस्पेक्टर ने आगे बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। आरोपी मेहुल शाह मूल रूप से मोरबी का रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को आरोपी के पास से कई विभागों के सरकारी विभागों के नाम से जुड़े कागज मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के फोन के अलावा कई चीजों को कब्जे में लिया है। पुलिस आरोपी के दूसरे फोन, लैपटॉप और गैजेट्स की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनसे लाखों

रुपए ऐंठता था। पुलिस पता लगा रही है कि उसने फर्जी आईएएस अधिकारी बनकर कितने लोगों को ठगा है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के अनुसार, आरोपी ने खुद को विज्ञान और अनुसंधान विकास विभाग का चेयरमैन घोषित कर रखा था। इसी विभाग का चेयरमैन बताते हुए लेटर पैड बनवाया था। जिसे क्राइम ब्रांच ने जब्त कर लिया है।

संभल विवाद में यूपी सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, सुप्रीम कोर्ट ले संज्ञान : प्रियंका गांधी वाड्रा : नई दिल्ली , एजेंसी। यूपी के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हो गई है। इस हिंसा पर अब कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने प्रदेश की जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यूपी सरकार से कड़े सवाल किए। उन्होंने लिखा, संभल, उत्तर प्रदेश में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा। उन्होंने आगे कहा, सत्ता में बैठकर भेदभाव, अत्याचार और फूट फैलाने का प्रयास करना न जनता के हित में है, न देश के हित में। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेकर न्याय करना चाहिए। प्रदेश की जनता से मेरी अपील है।

बंगाल में शिशु मेले के आयोजन को लेकर बवाल, सांसद के सामने ही टीएमसी कार्यकर्ताओं में मारपीट

मेदिनीपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में वेस्ट मेदिनीपुर जिले में रविवार को बच्चों के मेले के आयोजन के लिए बुलाई गई बैठक के दौरान हंगामा मच गया। स्थानीय सांसद दीपक अधिकारी के सामने अलग-अलग गुटों से जुड़े तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मारपीट हुई। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी (देव नाम से मशहूर) और पूर्व विधायक शंकर दोलुई के समर्थकों के बीच लाठी-डंडे चले और हाथापाई हुई। सूत्रों के मुताबिक, झड़प के दौरान कुर्सियां ??तोड़ दी गईं और खाना कार्यक्रम स्थल पर बिखर गया। पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान हाथापाई हुई और मामले की जांच जारी है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि घटाल में 30 वर्ष से अधिक समय से आयोजित होने वाले वार्षिक कार्यक्रम 'शिशु मेला' के लिए आयोजन समिति के सदस्यों की नियुक्ति को लेकर हंगामा मचा। इसे लेकर दोनों गुटों के बीच लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चली आ रही है। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बैठक में अधिकारी और दोलुई दोनों ने भाग लिया लेकिन असहमति के बाद समर्थक हिंसक हो गए।

चर्चा के दौरान तनाव बढ़ा और मारपीट होने लगी : सूत्रों ने बताया कि मेले का संयुक्त रूप से प्रबंधन करने का निर्णय लिए जाने के बावजूद चर्चा के दौरान तनाव बढ़ गया और बात मारपीट तक पहुंच गई। घटना के तुरंत बाद अधिकारी कार्यक्रम स्थल अरबिंदा स्टेडियम से चले गए। अधिकारी ने इस घटना पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि वे शीर्ष पार्टी नेतृत्व से इस संबंध में निर्देश मिलने के बाद बैठक में आए थे। उन्होंने आश्चर्य जताया कि दोलुई के साथ उनकी सफल बैठक के बावजूद ऐसी घटना कैसे हो सकती है। स्थानीय सांसद ने कहा कि उनका उद्देश्य मेले में आने वाले लोगों के लिए किफायती सामान सुनिश्चित करने के लिए स्टॉल की लागत कम रखना था। उन्होंने कहा कि मेला आयोजित किया जाएगा और इस घटना से घटाल की सकारात्मक छवि पर असर नहीं पड़ना चाहिए। राज्य के सिंचाई मंत्री मानस भुनिया ने कहा कि पार्टी ने घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

राज ठाकरे चले थे किंगमेकर बनने, अब पार्टी बचाने के भी लाले, सिंबल और दर्जे पर लटकी तलवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे चुनाव नतीजों से पहले खुद को किंगमेकर के तौर पर देख रहे थे। उनका कहना था कि इलेक्शन के बाद भाजपा सरकार बनाएगी और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री होंगे। इसके साथ ही हम भी राज्य की सरकार में किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे। इसे उनकी महत्वाकांक्षा के तौर पर देखा गया था, लेकिन नतीजे आए तो राज ठाकरे को करारा झटका लगा। उनकी पार्टी को राज्य के चुनाव में एक भी सीट नहीं मिल सकी है। यह उनके लिए करारे झटके की तरह है और यहां तक कि क्षेत्रीय दल की मान्यता और पार्टी का सिंबल भी उनके हाथ से जा सकता है।

उनकी पार्टी का सिंबल रेल इंजन रहा है, जो बीते तीन चुनावों में फेल साबित हुआ है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना जब नई बनी थी, तब उसने 2009 में हुए अपने पहले विधानसभा इलेक्शन में 13 सीटें हासिल की थीं। इसके बाद 2014 और 2019 में एक ही विधायक मनसे से चुना गया, लेकिन इस बार तो पार्टी का खाता भी नहीं खुला। राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे खुद माहिम विधानसभा सीट से बुरी तरह हार गए। वह तीसरे नंबर पर आए हैं। पहले ही चुनाव में अमित ठाकरे को हार का सामना करना पड़ा। इस हार से राज ठाकरे भी सकते में हैं और नतीजों के बाद उन्होंने कहा भी यह मेरे लिए करारे झटके की तरह है।

यही नहीं अब पार्टी के सामने वजूद का ही संकट

खड़ा हो गया है। मनसे को राज्य के इलेक्शन में महज 1.55 फीसदी वोट ही मिल सका। नियम के जानकारों का कहना है कि अब मनसे का इलेक्शन सिंबल छिन जाएगा और उसे निर्दलियों को आवंटित होने वाले चिह्नों में से ही कोई चुनना होगा। नियम के अनुसार यदि किसी को दल को शून्य या एक सीट ही मिलती है और वोट 8 फीसदी रहता है तो उसे क्षेत्रीय दल का मिलता है। इसके साथ ही 2 सीट और 6 फीसदी वोट का नियम है। इसके अलावा तीन सीट पाने पर तीन फीसदी वोट को भी क्षेत्रीय दल की मान्यता के लिए आधार माना गया है। मनसे बीते तीन चुनावों में इनमें से किसी भी पैमाने पर खरी नहीं उतरी है।

लाखों साल पुरानी झील वैज्ञानिकों के लिए बनी रहस्य, यहां सालभर गिरती रहती है आसमान से बिजली

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है. यह झील आज भी रहस्यमय बनी हुई है कि आखिर किस वजह से साल के 300 दिन यहां बिजली चमकती है?

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में बना हुआ एक देश है. वैसे तो अक्सर वेनेजुएला महंगाई की वजह से सुर्खियों में बना रहता है, इसके अलावा भी कई कारण हैं जिसकी वजह से वेनेजुएला हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है.

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील के बारे में तो आपने जरूर सुना होगा. यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जो लगभग 35 मिलियन साल पुरानी है. ये झील आम झीलों के मुकाबले काफी बड़ी है. वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों वर्षों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी होगी. तो अब सवाल यह है कि क्या इसी दौरान झील की तलहटी में कुछ ऐसा जम गया है जिसकी वजह से इस जगह पर सबसे ज्यादा बिजली चमकती है?

यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि यह झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जिसका निर्माण 35 मिलियन साल पहले हुआ होगा। यह झील साढ़े 13 हजार वर्ग किलोमीटर में फैली है, जो दूसरी झीलों से काफी बड़ी है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों सालों में इसके पानी और तली में कई बार बदलाव हुआ होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या झील की तलहटी में कुछ जमा है, जिसकी वजह से यह दुनिया की सबसे ज्यादा बिजली चमकने वाला स्थान बन गया है। यह अभी तक रहस्य है और इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने नवंबर 2016 में एक स्टडी की थी, जिसमें पता चला था कि मैराकाइबो झील में एक साल में 297 दिनों तक लगातार हर मिनट करीब 25 से 40 बार बिजली चमकती है। रोशनी इतनी अधिक होती है कि स्थानीय लोग पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं।

अफ्रीका के कांगो बेसिन के पास पहले यह दर्जा था। दुनिया की कई पहाड़ी और पानी वाली जगहों के बारे में दुनिया के देशों ने अलग-अलग अपने दावे किए हैं, लेकिन बिजली चमकने के मामले में वेनेजुएला की यह झील सबसे आगे है। सबसे पहले 16वीं सदी में एक स्पेनिश पर्यटक अमेरिको वेस्पकी ने इस जगह को खोजा था। स्थानीय लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर की वजह से आसपास रहने से डरते थे।

स्थानीय लोगों का मानना था कि यह कुदरती नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेत हैं। करीब 300 साल बाद यहां पर झील के किनारे-किनारे आबादी बसने लगी। झील को रहस्यमयी मानने वाले और डरने वाले लोगों के लिए यह रोजगार पैदा करने लगी है। अजीबोगरीब चीजों को देखने वाले पर्यटक यहां पर आने लगे। वह बिजली को चमकते हुए देखने के लिए आते हैं। यहां पर पर्यटक सितंबर से लेकर नवंबर के दौरान आते हैं। यहां पर बिजली पूरे दिन और पूरी रात चमकती है। यहां पर पर्यटक झील के किनारे बने छोटे-छोटे घरों में रहते हैं और इसका अनुभव करते हैं। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान कई बार टूरिस्ट्स को खास सावधानी बरतनी होती है। लेकिन कई बार मछुआरे इसकी चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं।

एक मिनट मे कितनी बार चमकती है बिजली?

सन 2016 मे, अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने एक स्टडी की और उस स्टडी में पाया गया कि मैराकाइबो झील में एक साल में लगभग 297 दिनों तक लगातार बिजली चमकती है और हर एक मिनट मे 25 से 40 बार बिजली चमकती है. इसी वजह से इस जगह को लाइटनिंग कैपिटल ऑफ वर्ल्ड का नाम दिया है. बिजली चमकने की रोशनी इतनी ज्यादा तेज होती है कि लोग रात के समय में उस रोशनी में पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं.

क्या भूत प्रेत है इसका कारण?

स्पेनिश सैलानी अमेरिको वेस्पकी ने 16वीं सदी में इस झील की खोज की. आपको बता दें कि लोकल लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर के कारण कोई भी झील के आसपास नहीं जाता था. वहां के लोगों का यह मानना था कि ये कुदरती तो बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेतों का हाथ है. लगभग 3 सौ सालों के बाद इस झील के किनारे आबादी बसने लगी. जो लोग पहले इस झील को रहस्यमयी मान कर उससे डरते थे, अब वही झील उनके लिए रोजगार का जरिया बन गयी.

झील को देखने के लिए बढ़ा टूरिज्म

कुछ टूरिस्ट अजीबोगरीब जगह देखने के बहुत बड़े शौकीन होते हैं, वही टूरिस्ट यहां पर बिजली चमकना देखने के लिए आते हैं. यही कारण है कि इसे लाइटनिंग टूरिज्म कहा जाता है. टूरिस्ट सितंबर और नवंबर के समय में यहां आते हैं, ताकि बिजली को पूरे दिन और पूरी रात चमकते हुए देख सकें.

बिजली चमकने का कारण

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि सालभर बिजली के चमकने का असली कारण नमी, तापमान और स्थान है. झील के दक्षिण की ओर एंडीज पर्वत है और उत्तर में कैरेबियन सागर है. सागर की तरफ से चलने वाली गर्म और नम हवा जब पर्वत की तरफ से चलने वाली ठंडी हवा से टकराती है, तो ये बिजली चमकती है. कुछ वैज्ञानिक इस थ्योरी से इंकार करते हैं और उनके अनुसार, लाखों सालों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी है, जिसकी वजह से झील के तल में मीथेन गैस जमा हो गई. जब झील के तल मे जमी मिथेन गैस ऊपर की तरफ उठकर वातावरण की गैस से मिलती है, तब बिजली चमकती है. अब भी वैज्ञानिक इसके रहस्य को समझने के लिए कई प्रयोग कर रहे हैं.

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-23 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2023 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-26 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2026 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
- A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
- B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
- C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
- D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।

इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर A-24 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2024 में जनवरी से मार्च के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)